Title: Need to review the decision of providing subsidy on various items in the country to ensure more relief to the consumers.- Laid

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, गत माहो में सरकारी मौसम विभाग ने देश में कम वार्ा होने की घोाणा की, किंतु नियत ने देश भर में भरपूर वार्ा करके अपनी सर्वोच्च सत्ता को स्थापित कर दिया है। प्रकृति के विधान में मनुय की छेड़छाड़ को एक बार फिर इस उदाहरण ने नकारा बना दिया है। मानसून की भरपूर वार्ा ने देश में एक आशा और उत्साह का वातावरण पैदा कर दिया है। किसानों के मुरझाए चेहरों पर मायूसी गायब हो रही है। उद्योगपति नये उत्साह से काम में जुटने की तैयारी में हैं। आर्थिक विशेाज्ञ देश की अर्थव्यवस्था में सुधार होने के संकेत दे रहे हैं, तो वित्त मंत्री जी ने भी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने का दावा कर दिया है। किंतु, उन्हें राजकीय आर्थिक सहायता की निरंतर बढ़ती जा रही मात्रा चिंतित किए है। खाद्य, उर्वरक एवं पेट्रोलियम पदार्थो पर दी जा रही सब्सिडी लगातार बढ़ रही है और आश्चर्य यह है कि एक तरफ सब्सिडी बढ़ रही है, दूसरी तरफ इन पदार्थो की उपभोक्ता कीमतें भी बढ़ रही हैं। कैसी विडम्बना है कि सरकार सब्सिडी की राशि की मात्रा के बढ़ने से चिन्तित है तो उपभोक्ता लगातार कीमतों में वृद्धि से परेशान हो चुका है। आखिर सरकारी सब्सिडी कहां जा रही है, इस पर विचार की जरूरत है। मैं चाहता हूं कि सरकार सब्सिडी देने की प्रक्रिया पर देश में खुली बहस करके इसमें व्यापक सुधार करे ताकि सब्सिडी का लाभ सीधे आम उपभोक्ता को उपलब्ध हो।